आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 22.05.2026
समय 07.20

पहले मुख्य समाचार :–

- दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे पर ढलान स्थिरीकरण कार्य के चलते आज से 8 जून तक यातायात डायवर्जन लागू, एनएचएआई द्वारा गणेशपुर–देहरादून मार्ग पर सुरक्षा कार्य किए जाएंगे।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 29 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की।
- पिथौरागढ़ जिले की प्रसिद्ध आदि कैलाश और ॐ पर्वत यात्रा सुचारु रूप से जारी; अब तक 13 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन।
- विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने बूथ स्तर की तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए।

ट्रैफिक डायवर्जन

दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारा के गणेशपुर–देहरादून भाग पर ढलान स्थिरीकरण कार्य के लिए 22 मई से आज से 8 जून तक यातायात डायवर्जन योजना लागू की जाएगी। इस दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एनएचएआई द्वारा सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को देखते हुए पहाड़ी ढलानों की स्केलिंग और अतिरिक्त मलबा हटाने का कार्य कराया जाएगा।

राजमार्ग के करीब सवा किलोमीटर हिस्से पर ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। देहरादून की ओर जाने वाले वाहनों को किलोमीटर 14 प्लस 650 पर लेफ्ट कैरिजवे से राइट कैरिजवे पर स्थानांतरित किया जाएगा। वहीं दिल्ली और सहारनपुर की ओर जाने वाले वाहनों को डाट काली टनल के बाद पुराने हाईवे मार्ग से होकर निकाला जाएगा।

एनएचएआई के अनुसार बरसात से पहले ढलान स्थिरीकरण का कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यातायात संचालन और यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए 24 घंटे फ्लैगमैन भी तैनात किए जाएंगे।

गौरतलब है कि भारतमाला परियोजना के अंतर्गत बन रहे इस छह लेन एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे के पहाड़ी हिस्सों में पहले ही स्टोन कैचर लगाए जा चुके हैं, ताकि पत्थर गिरने जैसी घटनाओं से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

वित्तीय स्वीकृति

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 29 करोड़ 10 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इन योजनाओं में पार्किंग निर्माण, पेयजल व्यवस्था और जनसुविधाओं से जुड़े कई कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने पौड़ी गढ़वाल के नीलकंठ में बहुमंजिला पार्किंग निर्माण, अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर क्षेत्र में पेयजल सुविधा के लिए हैंडपंप स्थापना और टिहरी गढ़वाल की हिण्डोलाखाल पंपिंग पेयजल योजना से जुड़े कार्यों को मंजूरी दी है।

इसके अलावा पिथौरागढ़ नगर निगम क्षेत्र में देवभूमि रजत जयंती पार्क निर्माण और कुम्भ मेला–2027 से जुड़े अस्थायी पेयजल मरम्मत कार्यों के लिए भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में आधारभूत सुविधाओं और जनसुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर आम जनता तक पहुंच सके।

हरित ऊर्जा

प्रदेश में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। देहरादून स्थित सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के मुख्यालय में स्थापित 70 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर पावर प्लांट से विभाग के बिजली बिल में भारी कमी दर्ज की गई है।

सूचना विभाग के अनुसार पहले विभाग को हर महीने लगभग एक लाख 20 हजार रुपये बिजली बिल के रूप में भुगतान करना पड़ता था, जबकि सोलर प्लांट शुरू होने के बाद अप्रैल महीने का बिजली बिल घटकर करीब एक हजार 700 रुपये रह गया है। यह सोलर प्लांट उरेडा द्वारा विशेष व्यवस्था के तहत स्थापित किया गया है।

महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने बताया कि राज्य में सौर ऊर्जा उत्पादन को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में उत्तराखंड में सौर ऊर्जा उत्पादन एक हजार मेगावाट के आंकड़े को पार कर चुका है।

उन्होंने यह भी बताया कि आईएसबीटी परिसर सहित कई अन्य सरकारी परिसरों में भी सोलर प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही लोगों से अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने की अपील की गई है, ताकि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिल सके।

निरीक्षण

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने उधमसिंह नगर ज़िले के मेलाघाट क्षेत्र में जगबूढ़ा नदी पर बाढ़ सुरक्षा कार्यों का निरीक्षण किया। नेपाल सीमा से लगे इस क्षेत्र में जगबूढ़ा नदी पर भू–कटाव बढ़ रहा है। निरीक्षण के दौरान श्री सुमन ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को आवश्यक स्थानों पर जल्द बाढ़ सुरक्षा कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

सचिव ने कहा कि जिन क्षेत्रों में बाढ़ सुरक्षा कार्य की आवश्यकता है, वहां का प्रस्ताव और आकलन तैयार कर शासन को भेजा जाए। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और लोगों से भी बातचीत कर समस्याओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के बाद लोहियाहेड कैंप कार्यालय में आयोजित बैठक में सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षाकाल से पहले सभी जरूरी बाढ़ सुरक्षा कार्य पूरे कर लिए जाएं। साथ ही संभावित संवेदनशील क्षेत्रों के लिए पहले से कार्ययोजना तैयार रखने को कहा।

आदि कैलाश यात्रा

पिथौरागढ़ जिले की प्रसिद्ध आदि कैलाश और ॐ पर्वत यात्रा इन दिनों रफ्तार पकड़ रही है। अब तक देशभर से 13 हजार से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक पवित्र आदि कैलाश और ॐ पर्वत के दर्शन कर चुके हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन द्वारा प्रतिदिन एक हजार से अधिक इनर लाइन परमिट जारी किए जा रहे हैं।

जिला पर्यटन अधिकारी कीर्ति चन्द्र आर्य ने बताया कि यात्रा मार्ग पर सड़क, सुरक्षा और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त हैं, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि यात्रा के चलते स्थानीय पर्यटन कारोबार को भी मजबूती मिल रही है और होटल, टैक्सी तथा होमस्टे संचालकों को इसका सीधा लाभ मिल रहा है।

वीडियो कांफ्रेंसिंग

आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान– एसआईआर को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने सभी जिलाधिकारियों, ईआरओ और एईआरओ के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक में एसआईआर अभियान की तैयारियों, प्रशिक्षण और बूथ स्तर की व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन जिलों में बूथ लेवल एजेंट की शत–प्रतिशत तैनाती नहीं हुई है, वहां जिलाधिकारी राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर जल्द नियुक्ति सुनिश्चित करें। साथ ही नियुक्त बीएलए का प्रशिक्षण भी कराया जाए।

उन्होंने कहा कि जिन जिलों में बड़ी आवासीय सोसायटियां और घनी आबादी वाले मुहल्ले हैं, वहां विशेष कैंप लगाए जाएं। इसके लिए नोडल अधिकारी तैनात कर रोस्टर तैयार करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि बीएलओ घर–घर सत्यापन के दौरान अनिवार्य रूप से निर्वाचन आयोग का पहचान पत्र पहनकर ही फील्ड पर जाएं, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा या भ्रम की स्थिति न हो।

प्रक्रिया में तेजी

केदारघाटी और जोशीमठ क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में रुद्रप्रयाग के रतूड़ा गांव में प्रस्तावित राज्य अतिथि गृह और जोशीमठ के रविग्राम में प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना की समीक्षा की गई। एक रिपोर्ट–बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाया जाए और आवश्यक सुधारों के साथ संशोधित प्रस्ताव जल्द प्रस्तुत किए जाएं।

रुद्रप्रयाग के रतूड़ा गांव में आधुनिक सुविधाओं से युक्त राज्य अतिथि गृह बनाया जाएगा। भवन का डिजाइन पारंपरिक पहाड़ी वास्तुकला के अनुरूप तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि स्थानीय संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का बेहतर समन्वय हो सके। इस परियोजना से केदारनाथ यात्रा मार्ग पर आने वाले पर्यटकों और विशिष्ट अतिथियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

वहीं जोशीमठ के रविग्राम में प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना से औली और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। अधिकारियों को पार्किंग तक पहुंचने वाले मार्ग को और अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सचिव आवास एवं राज्य संपत्ति डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन सुविधाओं और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है, ताकि पर्यटन, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिल सके।